## संपादकीय

### संकटकाल में नयी चाल में ढला साहित्य

निस्संदेह, कोरोना काल में मानवीय त्रासदी का चरम दिखा, जिसने रचनाकारों को उद्वेलित किया। इस काल के सृजन में मानवीय त्रासदी की गहरी छाया रही। इस दौरान साहित्य ने अपनी चाल बदली। विपुल साहित्य का सृजन हुआ। डिजिटल माध्यम की स्वीकार्यता बढ़ी।?लेकिन पुस्तक छपवाने का मोह कम नहीं हुआ। प्रकाशकों का काम बढ़ा। इस दौरान हमने अनेक नामचीन साहित्यकारों को भी?खोया।

एक महामारी ने पूरी जीवन शैली बदल दी। तकरीबन दो सालों से हम सब के बीच फासले बढ़ गए। सोचने-समझने और लिखने-पढ़ने के तौर-तरीकों में बदलाव आया और साहित्य सृजन की दृष्टि भी काफी हद तक बदल गई। कोरोना काल में साहित्य रचने का यह दूसरा साल था। लॉकडाउन भले ही कुछ महीनों का रहा हो, लेकिन इसका असर दीर्घकालिक है। वर्ष 2021 के इस सबसे भयानक कालखंड में हमारे बीच से बहुत से लोग, रचनाकार, पत्रकार, लेखक, संस्कृतिकर्मी चले गए। कुछ रचते हुए चले गए, कुछ रचने की बहुत-सी योजनाओं को साथ लिए चले गए। सन् 2020 के कोरोना कालखंड में जहां मजदूरों का पलायन और सड़कों पर मजबूरन धकेल दिए गए श्रमिकों का दर्द रचनाओं में झलकता रहा तो इस बार लगातार और असमय अलविदा कह देने वालों से जुड़ी मानवीय पीड़ा और एक बेबसी दिखाई देती रही। रचनाकार या तो सदमे में रहा, लिखने-पढ़ने से विरक्ति का शिकार रहा, या फिर रचा तो इतना रचा कि उसकी सारी संवेदनाएं अपने विभिन्न रूपों में सामने आती रहीं। कविताएं हों, कहानियां हों, डायरी के पन्ने हों, उपन्यास हों या संस्मरण इस दौर में जो भी लिखा गया, ज्यादातर में इसकी झलक मिली। सत्ता के प्रति गुस्सा, संवेदनहीन सरकार और बेबस प्रशासन की अव्यवस्थाएं, अस्पतालों की भयावहता, ऑक्सीजन को लेकर त्राहि-त्राहि और सरकारों के दावे, वैक्सीनेशन की सरकारी प्रतियोगिताएं और सबसे ज्यादा उन परिवारों और व्यक्ति यों की त्रासदी जो या तो अचानक चले गए, या अव्यवस्थाओं के शिकार होकर अलविदा कह गए।

कोरोना काल में डिजिटल हो चुके देश में वैसे तो अब ज्यादातर साहित्य फेसबुक या सोशल मीडिया पर रचा जा रहा है, लेकिन ये प्लेटफॉर्म बस आपके डायरी के पन्नों की तरह है। आखिरकार सभी की यह चाहत रहती है कि उनका यह रचनाकर्म पुस्तक के रूप में आए, बेशक इसके लिए पैसे खर्च करके प्रकाशकों की तलाश की जाए और अपने हिस्से का साहित्य रच दिया जाए। ज्यादातर लेखक और कवि चाहते हैं कि उनकी कोई न कोई किताब पुस्तक मेलों में जरूर आए ताकि कम से कम उनके रचनाकर्म को एक पहचान मिल सके। लखनऊ समेत तमाम शहरों में पुस्तक मेले लगने शुरू हो गए हैं और एक बार फिर जनवरी के दूसरे हफ्ते में दिल्ली में विश्व पुस्तक मेले की तैयारी है। वर्ष 2021 में छपी हजारों पुस्तकों को एक बड़ा आयाम यहां मिलने जा रहा है। प्रकाशकों के पास पुस्तकों के जबरदस्त ऑर्डर हैं और तमाम पुस्तकें छपने के अंतिम चरण में हैं। प्रकाशकों के लिए यह वक्त बहुत मुफीद होता है और कोरोना काल ने तो उनका प्रिंट ऑर्डर काफी बढ़ा दिया है। तमाम प्रकाशक बताते हैं कि कोरोना काल से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ा है, बल्कि पहले से कहीं ज्यादा किताबें इस बार छप रही हैं। कोरोना काल में घर बैठे लोगों ने खूब लिखा है। सबसे बड़ी बात कि अब किताबों को बेचने के लिए पुस्तक मेलों के अलावा अमेजॉन, फ्लिपकार्ट जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध होने से काफी सहूलियत हो गई है, इसलिए बड़ी संख्या में किताबें छप भी रही हैं और बिक भी रही हैं। किताबें छपवाने के लिए कई लेखक प्रकाशकों को मोटी धनराशि भी देने लगे हैं इसलिए आम तौर पर प्रकाशन के व्यवसाय पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। फिर भी कई प्रकाशक ऐसे भी हैं, जिनके लिए मुश्किलें बढ़ गईं और उन्हें अपने कर्मचारियों की छंटनी भी करनी पड़ी।

*- अतुल सिन्हा*

# राजस्थान में आयकर छापों में तीन सौ करोड़ रुपये की अघोषित आय पकड़ी गई

**नई दिल्ली।** आयकर विभाग ने राजस्थान में छापेमारी करके दो समूहों और उनकी व्यावसायिक संस्थाओं की तलाशी ली तथा जब्ती अभियान में 17 करोड़ रुपये की बेहिसाबी नकदी और जेवरात बरामद किए। विभाग के अनुसार इस कार्रवाई में 300 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित आय का पता चला है।

आयकर विभाग के एक बयान के मुताबिक 22 दिसंबर को शुरू की गयी इस कार्रवाई में जिन दो समूहों की तलाशी ली गयी, उनमें एक समूह राजस्थान, महाराष्ट्र और उत्तराखंड में बिजली के स्विच, तार, एलईडी, रियल एस्टेट तथा होटल व्यवसाय से संबंधित व्यापारिक कार्यों में लगा हुआ है, जबकि दूसरा समूह जयपुर और इसके आसपास के शहरों में कर्ज देने का का काम करता है।

विभाग ने बताया कि जयपुर, मुंबई और हरिद्वार सहित विभिन्न स्थानों में फैले 50 से अधिक परिसरों में छापेमारी में बड़ी संख्या में आपत्तिजनक दस्तावेज एवं डिजिटल डाटा मिले हैं और उन्हें जब्त कर लिया गया है। प्रारंभिक विश्लेषण से पता चलता है कि स्विच, वायर, एलईडी आदि के निर्माण के कारोबार में लगे समूह की कई इकाइयां ऐसे सामान बेच रही हैं जो नियमित खातों में दर्ज नहीं किये गए हैं। वे कर योग्य आय को छुपाने के लिए फर्जी खर्चों का दावा विवरण प्रस्तुत करती थीं।

विभाग के अनुसार माल की बेहिसाब बिक्री पर नकद राशि प्राप्त होने के सबूत भी मिले हैं। इस समूह के मामले में तलाशी दल ने 150 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित आय वाले लेनदेन का पता लगाया है।

आयकर विभाग की ओर से जारी बयान के मुताबिक समूह के मुखिया ने 55 करोड़ रुपये को अघोषित आय के रूप में स्वीकार किया है और उस पर कर का भुगतान करने की पेशकश की है।

दूसरे समूह से संबंधित जब्त दस्तावेजों के विश्लेषण से पता चला है कि अधिकांश ऋण नकद में दिए गए हैं और इन ऋणों पर अपेक्षाकृत उच्च ब्याज दर वसूल की गई है। इस कार्य में लगे व्यक्तियों की आय की विवरणी में न तो अग्रिम ऋण और न ही उस पर अर्जित ब्याज की आमदनी का खुलासा किया गया है। इस समूह में 150 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित आय के प्रमाण मिले हैं। बयान के मुताबिक अब तक की गई तलाशी कार्रवाई में कुल 17 करोड़ रुपये की बेहिसाबी नकदी और जेवरात बरामद किए गए हैं।

## रैक की कमी के कारण अजमेर-जम्मू तवी एक्सप्रेस आज रहेगी रद्द

**जयपुर।** रैक की कमी के कारण अजमेर-जम्मू तवी एक्सप्रेस आज रद्द रहेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार उत्तर रेलवे द्वारा गाड़ी संख्या 12414, जम्मू तवी-अजमेर एक्सप्रेस रेल सेवा जो 28 दिसम्बर को जम्मू तवी से रवाना होनी थी, को पूर्ण रद्द कर दिया गया है, इस कारण बुधवार को अजमेर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 12413, अजमेर-जम्मू तवी एक्सप्रेस रैक की कमी के कारण रद्द रहेगी।

## चालू, अगले वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि नौ-नौ प्रतिशत रहेगी : इक्रा

**नई दिल्ली।** क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कोविड-19 वायरस के नए संस्करण ओमीक्रॉन के बढ़ते खतरे के बीच 2021-22 और 2022-23, दोनों ही वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि नौ-नौ प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि महामारी के कारण 2020-23 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था को कुल 39 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होगा। इसका कहना है कि ओमीक्रॉन के कारण पाबंदी लगी तो अधिक मेल-जोल और सम्पर्क पर आधारित पर्यटन एवं होटल उद्योग पर असर पड़ सकता है और आर्थिक दशा में सुधार का सिलसिला कुछ समय के लिए प्रभावित हो सकता है।

इक्रा ने कहा है कि उपलब्ध आंकड़ों से ऐसा कोई ठोस संकेत नहीं मिलता कि लम्बे समय तक मजबूत आर्थिक वृद्धि के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) द्वारा परिकल्पित परिस्थितियां बन गयी हैं और जिसके आधार पर मौद्रिक नीति के रुख में फरवरी 2022 तक बदलाव किया जा सके।

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिती नायर ने कहा कि अक्टूबर-नवंबर के आंकड़ों को देख कर नहीं लगता कि भारत की आर्थिक वृद्धि का आधार पुनर्विस्तृत हो चुका है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही अक्टूबर-दिसंबर 2021 में जीडीपी वृद्धि छह से 6.5 प्रतिशत से कुछ सार्थक स्तर पर ऊंचा रहना इस बात पर निर्भर करेगा कि सरकार का खर्च का स्तर कैसा है।

उन्होंने उम्मीद जतायी है कि मार्च 2022 तक भारत में 85 से 90 प्रतिशत वयस्क लोगों को कोविड टीके की दोनों डोज लग जाएगी। उनके अनुसार 15-18 वर्ष के बीच के बच्चों के टीकाकरण, स्वास्थ्यकर्मियों, कोरोना से निपटने में लगे अन्य कर्मियों तथा दूसरी बीमारियों से ग्रस्त वरिष्ठ नागरिकों को कोविड की अतिरिक्त डोज के कार्यक्रम की घोषणा स्वागत योग्य है।

सुश्री नायर ने कहा, कुछ भी हो , कई राज्यों ने कोविड19 की रोकथाम के लिए नयी पाबंदिया लगायी है जिससे अर्थव्यवस्था की स्थिति में सुधार चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही जनवरी-मार्च 2022 में थोड़े समय के लिए बाधित हो सकता है। इसका ज्यादा असर अधिक सम्पर्क ओर मेल-जोल वाले पर्यटन और होटल जैसे कारोबार पर पड़ेगा।

## दूसरी बार पिता बने इरफान पठान, बेटे का नाम रखा सुलेमान खान

**नई दिल्ली।** टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान दूसरी बार पिता बने हैं। इरफान ने अपने दूसरे बेटे के साथ फोटो शेयर की और बताया कि इसका नाम उन्होंने सुलेमान खान रखा है। इरफान ने साथ ही जानकारी दी कि उनका बेटा और पत्नी दोनों ही स्वस्थ हैं।

उन्होंने एक ट्वीट में लिखा, सफा और मैं हमारे बच्चे सुलेमान खान का स्वागत करते हैं। बच्चा और मां दोनों ठीक और स्वस्थ हैं।

आपको बता दें कि इरफान का बड़ा बेटा इमरान खान पठान पांच साल का है। इरफान 2007 में पहले आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप की विजेता भारतीय टीम का हिस्सा थे। उन्होंने साल 2020 में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे, टी-20) से संन्यास ले लिया था।

इरफान पठान ने भारत की ओर से कुल 29 टेस्ट, 120 वनडे और 24 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इरफान पठान ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच अक्टूबर 2012 में खेला था। इरफान ने तीनों फॉर्मेट में क्रम से 1105, 1544 और 172 रन बनाए हैं इसके अलावा 100, 173 और 28 विकेट लिए हैं।

## विकेटों के पतझड़ के बीच चमके मोहम्मद शमी, भारत को 146 रनों की लीड

**नई दिल्ली ।** मोहम्मद शमी की अगुवाई में तेज गेंदबाजों ने विकेटों के पतझड़ के बीच भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन यहां पहली पारी में बड़ी बढ़त दिलाई। दूसरे दिन लगातार बारिश होने के कारण पिच से तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही थी। दिन भर में 268 रन बने और 18 विकेट गिरे। भारतीय टीम सुबह तीन विकेट पर 272 रन से आगे खेलते हुए पहली पारी में 327 रन तक ही पहुंच पाई लेकिन उसने दक्षिण अफ्रीका को 197 रन पर आउट करके 130 रन की मजबूत बढ़त ली। भारत को दिन के अंतिम सत्र में फिर से बल्लेबाजी के लिए उतरना पड़ा। उसने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में एक विकेट पर 16 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 146 रन की हो गई है। पहली पारी में 123 रन बनाने वाले केएल राहुल पांच रन बनाकर क्रीज पर बने हुए हैं। सुबह एनगिडी (71 रन देकर छह) और कैगिसो रबाडा (72 रन देकर तीन) भारत के बाकी बचे सात विकेट 55 रन के अंदर निकाले तो बाद में जसप्रीत बुमराह के चोटिल होने के बावजूद भारतीय तेज गेंदबाजों ने कहर बरपाया। शमी ने 44 रन देकर पांच विकेट लिए तो बुमराह (16 रन देकर दो) और शार्दुल ठाकुर (51 रन देकर दो) ने दो-दो जबकि मोहम्मद सिराज (45 रन देकर एक) ने एक विकेट हासिल किया। दक्षिण अफ्रीका तेम्बा बवूमा (52) और क्विंटन डिकॉक (34) के बीच पांचवें विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी के दौरान ही कुछ अच्छी स्थिति में दिखा।

भारत की दूसरी पारी में मयंक अग्रवाल केवल चार रन बनाकर मार्को जेनसन की पहली गेंद पर विकेट के पीछे कैच दे बैठे। अपना पहला मैच खेल रहे जेनसन के पास हैट्रिक का मौका था क्योंकि उन्होंने भारत की पहली पारी में आखिरी विकेट लिया था लेकिन नाइटवाचमैन शार्दुल ठाकुर (नाबाद चार) ने उन्हें यह उपलब्धि हासिल नहीं करने दी।

## ऋतिक और दीपिका की फिल्म फाइटर में हुई अनिल कपूर की एंट्री

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म फाइटर काफी समय से चर्चा में है। अब फिर उनकी यह फिल्म सुर्खियों में है। दरअसल, इससे बॉलीवुड के मिस्टर इंडिया अनिल कपूर भी जुड़ गए हैं। ऋतिक ने सोशल मीडिया पर यह ऐलान किया है। खास बात यह है कि फिल्म से अनिल का नाम उनके जन्मदिन के मौके पर सामने आया है। इस खबर से फैंस की सातवें आसमान पर हैं।

ऋतिक ने अनिल के फिल्म से जुड़ने की खबर ऐसे दिन बताई, जब फिल्म जगत में लंबी पारी

खेल चुके अभिनेता अपना 65वां जन्मदिन मना रहे हैं। ऋतिक ने लिखा, आज उस व्यक्ति का जन्मदिन है, जो हर गुजरते दिन के साथ युवा होते जा रहे हैं। मेरी बधाई स्वीकार करें अनिल सर। सेट पर आपका सहयोग करते-करते मुझे आपके साथ काम करने का मौका मिल ही गया है। मैं आपके साथ फाइटर में काम करने को उत्साहित हूं।

ऋतिक के ट्वीट का जवाब देते हुए अनिल ने लिखा, थैंक्यू सो मच ऋतिक। मुझे भी फिल्म फाइटर का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है और मैं इसलिए भी खुश हूं कि आखिरकार मुझे पर्दे पर तुम्हारा साथ मिल गया है। अब अनिल की एंट्री से लग रहा है कि आने वाली यह फिल्म काफी शानदार होगी। फिल्म में उनके जुड़ने से प्रशंसकों की खुशी दोगुनी हो गई है और वे इसके लिए बेसब्र हो गए हैं।

## अभिषेक बच्चन को पहली फिल्म मिलने में लग गए थे दो साल

अभिषेक बच्चन बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने हाल के दिनों में अपने अभिनय से प्रभावित किया है। जैसे-जैसे इंडस्ट्री में अभिषेक पुराने होते गए, उनके अभिनय का रंग चढ़ने लगा। आज अभिषेक जिस मुकाम पर हैं, इसके पीछे उनका लंबा संघर्ष रहा है। अब एक हालिया इंटरव्यू में अभिषेक ने खुलासा किया है कि एक सुपरस्टार के बेटे होने के बावजूद उन्हें पहली फिल्म मिलने में दो साल लग गए थे।

अभिषेक ने कहा कि उन्हें अपनी पहली फिल्म मिलने में दो साल का समय लगा था। उन्होंने कहा, मुझे मेरी पहली फिल्म मिलने में दो साल लग गए। अधिकांश लोग सोचते हैं कि अमिताभ बच्चन का बेटा है, तो लोग 24 घंटे लाइन लगाकर खड़े रहते होंगे। नहीं, ऐसा नहीं था। डेब्यू करने से पहले मैंने हर एक डायरेक्टर के पास जाकर बात की थी। अभिषेक ने बताया कि कई निर्देशकों ने उनके साथ काम करने का फैसला नहीं किया।

## आज का राशिफल

*मेष :* धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे।

*वृष :* तनाव को नजऱअंदाज़ न करें। यह तंबाकू और शराब की ही तरह ख़तरनाक महामारी है, जो तेज़ी से पांव पसार रही है।

*मिथुन :* आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शांति और सुकून देंगे। घर की छोटी-छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है।

*कर्क:* किसी सज्जन पुरुष की दैवीय बातें आपको संतोष और ढांढस बंधाएंगी। जीवन में पैसों की अहमियत समझेंगे।

*सिंह :* कुछ रचनात्मक करने के लिए अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है।

*कन्या :* बहुत-कुछ आपके कंधों पर टिका हुआ है और फ़ैसले लेने के लिए स्पष्ट सोच ज़रूरी है। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें।

*तुला :* लाभ लेने के लिए बड़ों को अपनी अतिरिक्त ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करना चाहिए। होशियारी से निवेश करें।

*वृश्चिक:* अपनी सेहत को ध्यान में रखकर चीखने-चिल्लाने से बचें। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें।

*धनु :* आप मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान महसूस कर सकते हैं, थोड़ा-सा आराम और पौष्टिक आहार आपके ऊर्जा-स्तर को उठाए रखने में अहम साबित होगा।

*मकर :* आस-पास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ खुशी के पल बिताएँ।

*कुंभ :* आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे- आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं।

*मीन:* सेहत को देखभाल की ख़ास ज़रूरत है। आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी।

## बूंदी से बनाएं जायकेदार सब्जी

जब घर में कोई सब्जी न हो और न ही उसे ले आने का वक्त तो अगर आपके घर में बूंदी पड़ी हुई है तो उससे बनाई जा सकती है मिनटों में टेस्टी सब्जी। जिसे आप रोटी या चावल किसी के साथ खा सकते हैं।

### सामग्री :

1 कप बूंदी, 2 मीडियम साइज के टमाटर, 1 टीस्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट, 1 बारीक कटी हरी मिर्च, 1/2- 1/2 टीस्पून जीरा, हल्दी, धनिया, लाल मिर्च पाउडर, स्वादानुसार नमक, टेबलस्पून तेल

**गार्निशिंग के लिए-** 1 टमाटर कटा हुआ, ताजी धनिया पत्तियां

### विधि :

- पैन में तेल गर्म करें।
- इसमें जीरा चटकाने के बाद अदरक-लहसुन का पेस्ट भूनें।
- अदरक-लहुसन अच्छी तरह भुन जाए तो हरी मिर्च डालकर भूनें।
- फिर सभी सूखे मसाले डालकर थोड़ी देर और भूनें
- मसाले भुनने के बाद एक कटा हुआ टमाटर भूनें।
- टमाटर गलने पर डेढ़ कप पानी डालें और धीमी आंच पर ग्रेवी को पकने दें।
- पकते-पकते जब तेल ऊपर तैरने लगे तो बूंदी डालकर आधा मिनट पकाएं, जिससे ग्रेवी बूंदी में अच्छी तरह मिल जाए।
- बूंदी की सब्जी तैयार है।
- इसे कटे टमाटर और धनिया पत्तियों से सजाकर सर्व करें।

## शब्द सामर्थ्य- 304

**बाएं से दाएं**

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

**ऊपर से नीचे**

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

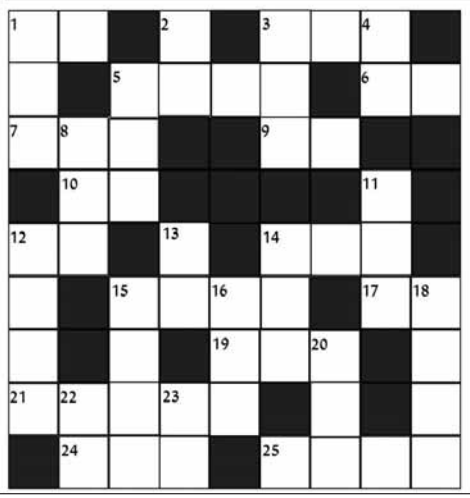

**शब्द सामर्थ्य क्रमांक 303 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गु | मा | न | | | प | यो | द | |
| न | | ह | क | दा | र | | ल | य |
| ह | वा | ला | त | | च | | द | म |
| गा | | | रा | ज | म | ह | ल | |
| र | ई | स | | ग | | स | | अ |
| | मा | | प | त | वा | र | | ल |
| ख | न | क | ना | | ह | त | | बे |
| स | दा | | ह | | वा | | शो | ला |
| रा | र | | | | ही | र | क | |

## सू-दोकू- 304

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 6 | 3 | | 8 | | 1 | | 4 |
| 8 | | | 3 | | 4 | | 7 | |
| | 4 | | | 5 | | 8 | | |
| 3 | | 8 | | | 1 | | 4 | |
| | 1 | | | 4 | | 9 | | 7 |
| | | 4 | | | 2 | | 1 | |
| 1 | | | | 3 | | 4 | | 8 |
| | 8 | | 2 | | 9 | | 3 | |
| | | 9 | | 1 | | 2 | | 5 |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.303 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 7 | 9 | 2 | 4 | 5 | 3 | 1 | 8 |
| 2 | 1 | 8 | 3 | 7 | 6 | 9 | 5 | 4 |
| 7 | 6 | 4 | 5 | 2 | 8 | 1 | 3 | 9 |
| 3 | 8 | 1 | 6 | 9 | 7 | 2 | 4 | 5 |
| 9 | 2 | 5 | 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 7 |
| 8 | 3 | 7 | 9 | 6 | 4 | 5 | 2 | 1 |
| 5 | 4 | 2 | 8 | 3 | 1 | 7 | 9 | 6 |
| 1 | 9 | 6 | 7 | 5 | 2 | 4 | 8 | 3 |
| 4 | 5 | 3 | 1 | 8 | 9 | 6 | 7 | 2 |